भारत - नीदरलैंड संबंध

सामान्य

भारत - डच संपर्कों का इतिहास 400 साल से अधिक पुराना है। आधिकारिक संबंध, जो 1947 में स्थापित किए गए थे, सौहार्दपूर्ण एवं मित्रवत रहे हैं। भारत के आर्थिक विकास, इसके बड़े बाजार, सुविज्ञ कामगारों के इसके पूल में नीदरलैंड की अभिरुचि है। द्विपक्षीय संबंधों का मुख्य आधार सुदृढ़ आर्थिक एवं वाणिज्यिक संबंध रहा है। दोनों ही देश लोकतंत्र, बहुलवाद और कानून के शासन के समान विचारों को भी साझा करते हैं। 1980 के दशक के शुरुआती वर्षों से डच सरकार ने भारत को एक महत्वपूर्ण आर्थिक भागीदार के रूप में अभिचिह्नित किया है। 1990 के दशक के शुरुआती वर्षों में भारत के आर्थिक उदारीकरण के बाद द्विपक्षीय संबंध और प्रगाढ़ हुए। 2006 में पूर्व प्रधान मंत्री, बालकेनेन्डे की सरकार ने डच विदेश नीति में चीन और रूस के साथ भारत को प्राथमिकता प्राप्त देश घोषित किया। डच प्रधान मंत्री मार्क रूट्टे के भारत के हालिया कामयाब दौरे (5 से 7 जून 2015) ने हमारे संबंधों को अगले स्तर पर ले जाने और हमारे रिश्ते की पूर्ण संभावना को साकार करने का मंच तैयार कर दिया है। आज, भारत और नीदरलैंड के बीच के संबंध बहुमुखी बन गए हैं और यह अपने में विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को समेटे हुआ है।

राजनीतिक एवं आर्थिक

नीदरलैंड के प्रधान मंत्री श्री मार्क रूट्टे ने भारत के प्रधान मंत्री के आमंत्रण पर 5 और 6 जून 2015 को भारत का आधिकारिक दौरा किया। डच राष्ट्राध्यक्षों / शासनाध्यक्षों द्वारा भारत के किए गए पूर्ववर्ती दौरों में निम्नलिखित शामिल थे : महारानी बीट्रिक्स (1986 एवं 2007) और प्रधानमंत्री आर एफ एम लुबर्स (1987 एवं 1993), प्रधानमंत्री विम कोक (1999) और प्रधानमंत्री जैन पीटी बाकीनेंडे (2006)। महारानी मैक्सिमा ने विकास के लिए समावेशी वित्त पोषण के लिए संयुक्त महासचिव के विशेष अधिवक्ता के रूप में अपनी हैसियत से जून - जुलाई 2014 में भारत का दौरा किया था भारतीय राष्ट्राध्यक्षों / शासनाध्यक्षों द्वारा नीदरलैंड के किए गए पूर्ववर्ती दौरों में निम्नलिखित शामिल थे : प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू (1957); प्रधान मंत्री राजीव गांधी (1985); राष्ट्रपति आर. वेंकटरमन (1988); और प्रधान मंत्री डा. मनमोहन सिंह (2004)। विदेश मंत्री श्री आई के गुजराल ने 1990 में नीदरलैंड का दौरा किया था। विदेश मंत्री रोसेन्थल ने जुलाई 2011 में भारत का दौरा किया। विदेश मंत्री टिम्मरमन्स ने असेम एफ एम एम के अवसर पर नवंबर 2013 में भारत का दौरा किया। विदेश मंत्री श्री सलमान खुर्शीद ने नीदरलैंड की मेजबानी में 24 और 25 मार्च 2014 को दी हेग में आयोजित तृतीय नाभिकीय सुरक्षा शिखर सम्मेलन (एन एस एस) में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। दोनों ओर से मंत्री स्तर पर नियमित रूप से यात्राएं होती रही हैं (यात्राओं की सूची अनुबंध में दी गई है)। ।).

आर्थिक एवं वाणिज्यिक सहयोग, संस्कृति, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और शिक्षा को समाहित करने वाले विविध क्षेत्रों में कई प्रकार के द्विपक्षीय करारों और समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। (सूची अनुबंध- 2 में जुड़ी हुई है)

विदेश कार्यालय परामर्शों (एफ ओ सी) के लिए एक तंत्र है। पिछला विदेश कार्यालय परामर्श नई दिल्ली में मई 2015 में आयोजित हुआ जो जून 2014 में आयोजित पूर्ववर्ती विदेश कार्यालय परामर्श के एक वर्ष के भीतर घटित हुआ। इससे पहले विदेश कार्यालय परामर्श जनवरी 2011 (दी हेग) और सितंबर 2007 (नई दिल्ली) में आयोजित किए गए थे।

कारोबार एवं निवेश की दृष्टि से भारत के नीदरलैंड में जोरदार आर्थिक हित हैं जो वर्तमान में भारत में एफ डी आई का पांचवां सबसे बड़ा निवेशक है और वैश्विक स्तर पर 28वां सबसे बड़ा व्यापार भागीदार है और यूरोपीय संघ में जर्मनी, बेल्जियम, इटली और फ्रांस के बाद 6वां सबसे बड़ा व्यापार भागीदार है। व्यापार एवं निवेश सहयोग भारत - नीदरलैंड संबंध का एक प्रमुख घटक है और इसमें संतोषजनक बढ़ोतरी हुई है। उभयपक्षीय व्यापार में एक समान रूप से बढ़ोतरी होती रही है और 2014-15 में यह 9.13 बिलियन अमरीकी डॉलर था और इस व्यापार का संतुलन भारत के पक्ष में था। जनवरी से अक्टूबर, 2015 की अवधि के दौरान, द्विपक्षीय व्यापार में 10.02 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है तथा इस व्यापार का संतुलन अभी भी भारत के पक्ष में है। हालांकि, व्यापारिक संबंधों में और विकास होने की काफी संभावना है। नीदरलैंड में ढेरों बहुराष्ट्रीय एवं अन्य कंपनियां हैं जिनमें से कई कम्पनियों के भारत में उत्पादन साइट्स एवं कारोबारी प्रचालन हैं। यह विविध सेक्टरों – जल प्रबंधन, बंदरगाहों एवं हवाई अड्डों के स्तरोन्नयन, तलमार्जन, कृषि प्रसंस्करण, दूरसंचार, ऊर्जा, तेल शोधन, रसायन, और वित्तीय सेवाओं – में एफ डी आई के अलावा उपयोगी तकनीकी ज्ञान का भी एक स्रोत है। वर्तमान में, 174 भारतीय कंपनियां नीदरलैंड में आधारित हैं। ये कम्पनियां डच कर प्रणाली से आकर्षित हैं जो पारदर्शी, स्थिर और लचीली है। भारत के शीर्ष चैंबर एसोचैम ने यूरोप के गेटवे के रूप में नीदरलैंड में दिसंबर 2015 में अपना कार्यालय खोला है।

जनवरी से अक्टूबर, 2015 की अवधि के लिए व्यापार के आंकड़ों के अनुसार, भारत की ओर नीदरलैंड को जिन वस्तुओं का निर्यात किया गया उनमें मुख्य रूप से निम्नलिखित शामिल हैं : विविध विनिर्मित माल (18.94 प्रतिशत) जिसमें हमारे निर्यात में परिधान एवं वस्त्र का शेयर 11.21 प्रतिशत था; रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पाद जो हमारे निर्यात का 18.78 प्रतिशत है; सामग्री के अनुसार वर्गीकृत विनिर्मित माल (17.67 प्रतिशत) जिसमें हमारे निर्यात में लोहा एवं इस्पात का शेयर 5.39 प्रतिशत, टेक्सटाइल यार्न, फेब्रिक एवं मेड अप आर्टिकल का शेयर 4.46 प्रतिशत था; रसायन एवं संबंधित उत्पाद (14.15 प्रतिशत) जिसमें हमारे कुल निर्यात में जैविक रसायनों का शेयर 7.62 प्रतिशत था; मशीनरी एवं परिवहन उपकरण (14.02 प्रतिशत) जिसमें हमारे कुल निर्यात में विद्युत मशीनरी का शेयर 3.56 प्रतिशत एवं दूरसंचार उपकरणों का शेयर 2.97 प्रतिशत था; खाद्य एवं जिंदा मवेशी (10.58 प्रतिशत) जिसमें हमारे कुल निर्यात में फलों एवं सब्जियों का शेयर 4.72 प्रतिशत था।

नीदरलैंड से भारतीय आयात की मुख्य वस्तुएं मशीनरी एवं परिवहन उपस्कर (31.8 प्रतिशत) थीं जिसमें परिवहन उपस्कर का कुल निर्यातों में हिस्सा 7 प्रतिशत था; औद्योगिक मशीनरी कुल निर्यातों का 4.9 प्रतिशत और वैद्युत मशीनरी कुल निर्यातों का 5.4 प्रतिशत था; रसायन एवं संबद्ध उत्पाद (29.4 प्रतिशत) था जिसमें प्राइमरी प्लास्टिक्स कुल निर्यातों का 9.5 प्रतिशत था; जैविक रसायन कुल निर्यात का 6.1 प्रतिशत; और रासायनिक सामग्री एवं उत्पाद कुल का 6 प्रतिशत था; क्रूड सामग्री (14.3 प्रतिशत) थी जिसमें धात्विक अयस्क एवं धात्विक स्क्रैप कुल

निर्यातों का 9.6 प्रतिशत; विविध विनिर्मित वस्तुएं (11 प्रतिशत) थीं जिसमें प्रोफेशनल, वैज्ञानिक एवं नियंत्रक उपकरण कुल निर्यातों का 5.3 प्रतिशत था और सामग्री के अनुसार वर्गीकृत विनिर्मित सामान (9.7 प्रतिशत) था जिसमें लोहा एवं इस्पात का भारत के कुल डच निर्यातों में 1.8 प्रतिशत का हिस्सा था।

15.769 बिलियन अमरीकी डालर, जो अप्रैल 2000 से सितंबर 2015 की अवधि के दौरान कुल एफ डी आई अंत:प्रवाह का 6 प्रतिशत है, के संचयी निवेश के साथ एफ डी आई अंत:प्रवाह की दृष्टि से नीदरलैंड भारत में 5वां सबसे बड़ा निवेशक है। वित्त वर्ष 2014-15 के दौरान, नीदरलैंड तीसरा सबसे बड़ा निवेशक था तथा वर्तमान वित्त वर्ष में सितंबर 2015 तक यह तीसरा सबसे बड़ा निवेशक बना हुआ है।

जेट एयरवेज 27 मार्च, 2016 से अम्स्टर्डम आने और जाने के लिए दैनिक नॉन स्टॉप फ्लाइट लांच कर रहा है, मुंबई एवं नई दिल्ली में अपने प्रत्येक होम केंद्र से एक तथा कनाडा में टोरंटो से भी। इससे व्यापार एवं पर्यटन के लिए कनेक्टिविटी प्राप्त होगी तथा दोनों देशों के बीच आर्थिक एवं वाणिज्यिक संबंध और सुदृढ़ होंगे।

संस्कृति एवं शिक्षा :

मई 1985 में दोनों देशों के बीच एक सांस्कृतिक करार पर हस्ताक्षर किए गए जिसमें शिक्षा एवं विज्ञान, कला एवं संस्कृति में सहयोग और आदान - प्रदान की व्यवस्था की गई है।

दी हेग में भारतीय सांस्कृतिक केन्द्र, जिसे "दी गांधी सेंटर" नाम दिया गया है, का 2 अक्तूबर 2011 को उद्घाटन किया गया। इस केन्द्र ने भारतीय संस्कृति का प्रचार-प्रसार करने का प्रयास किया है। केंद्र विविध प्रकार की अनेक सांस्कृतिक गतिविधियों का संचालन करता है। इसकी योग एवं तबला की नियमित कक्षाएं हैं। उम्मीद है कि हिंदी की कक्षाएं 2016 में आरंभ हो जाएंगी। यह भारतीय संस्कृति का प्रचार-प्रसार करने के लिए अन्य स्थानीय डच सांस्कृतिक संगठनों के साथ भागीदारी भी करता है।

प्रथम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 को दी हेग के एट्रियम सिटी हॉल में मनाया गया था। समाज के विभिन्न वर्गों, जिसमें स्थानीय डच आबादी, सूरीनामी हिंदुस्तानी समुदाय और भारतीय प्रवासी शामिल थे, के 600 से अधिक लोगों ने इस कार्यक्रम में अत्यन्त उत्साह के साथ भाग लिया।

विख्यात सरोद वादक श्री बसंत काबरा के नेतृत्व में आई सी सी आर द्वारा प्रायोजित मंडली ने 06 से 10 जुलाई 2015 के दौरान नीदरलैंड का दौरा किया। उनकी यात्रा के दौरान नीदरलैंड में तीन सफल कार्यक्रम आयोजित किए गए।

हालैंड – भारत महोत्सव 2015 अक्टूबर – नवंबर 2015 में आयोजित किया गया जिसमें 3 घटक अर्थात फिल्म, नृत्य एवं संगीत थे। इस कार्यक्रम की खास बात यह थी कि भारतीय नृत्य महोत्सव में सुश्री संयुक्ता सिन्हा के नेतृत्व में आई सी सी आर द्वारा प्रायोजित कथक नृत्य मंडली ने भाग लिया और भारतीय संगीत महोत्सव में बांसुरी वादक पंडित नित्यानंद हल्दीपुर के

नेतृत्व में आई सी सी आर द्वारा प्रायोजित संगीत मंडली ने भाग लिया। आई सी सी आर द्वारा प्रायोजित साड़ी प्रदर्शनी भी लगाई गई।

सितबंर 2011 से लेडन विश्वविद्यालय में समकालीन भारतीय अध्ययनों के लिए एक आई सी सी आर पीठ है।

प्रवासी

नीदरलैंड में यूरोप में भारतीय मूल के लोगों की दूसरी सबसे बड़ी आबादी रहती है (यूके के बाद)। 2,25,000 की आबादी वाला भारतीय डायसपोरा (200,000 सूरीनामी - हिंदुस्तानी समुदाय और 25,000 एन आर आई / पी आई ओ) एक महत्वपूर्ण घटक है जो नीदरलैंड के साथ निकट संबंध बनाने में सहायता प्रदान करता है। यह डायसपोरा दोनों देशों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी है एवं जन दर जन संपर्क को सुगम बनाता है। 15 अगस्त 2015 से ई-टूरिस्ट वीजा स्कीम को लागू करने का निर्णय तथा भारत सरकार की "भारत को जानो कार्यक्रम", "अपनी जड़ों की तलाश करना", "इंडिया कारपोरेट इंटर्नशिप कार्यक्रम" आदि जैसी स्कीमें ऐसे जन दर जन संपर्कों को गहन करने एवं बढ़ाने के लिए कुछ महत्वपूर्ण पहलें हैं। डच के साथ-साथ नीदरलैंड का सूरीनामी - हिंदुस्तानी समुदाय भारतीय संस्कृति के विभिन्न पहलुओं में गहरी रुचि दिखाता है। स्थानीय आयोजकों द्वारा आयोजित किए जाने वाले भारतीय फिल्म महोत्सव, खाद्य महोत्सव, संगीत एवं नृत्य शो बहुत लोकप्रिय हैं तथा इनमें भारतीय एवं सूरीनामी - हिंदुस्तानी दोनों समुदाय के लोग भारी संख्या में भाग लेते हैं।

सूरीनामी - हिंदुस्तानी समुदाय डच समाज में अच्छी तरह से घुलामिला है तथा नीदरलैंड में राजनीति सहित सभी क्षेत्रों में सक्रिय है। हेग नगरपालिका के डिप्टी मेयर श्री राबिन बलदेव सिंह, जो सूरीनामी - हिंदुस्तानी समुदाय के प्रभावशाली एवं करिश्माई नेता हैं, को वर्ष 2014 के लिए प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार (पी बी एस ए) प्रदान किया गया है जिससे वह नीदरलैंड में प्रतिष्ठित पी बी एस ए पुरस्कार प्राप्त करने वाले सूरीनामी - हिंदुस्तानी समुदाय का पहला सदस्य बन गए हैं। इससे पहले, भारतीय डायस्पोरा के दो प्रमुख सदस्यों अर्थात श्री राम लखीना और श्री वाहिद सालेह को क्रमश: 2009 और 2011 में पी बी एस ए से सम्मानित किया गया है। डायसपोरा प्रवासी भारतीय दिवस जैसे कार्यक्रमों में सक्रियता से भाग लेता है, जिसका आयोजन दूतावास द्वारा हेग में 9 जनवरी 2016 को किया गया।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, दी हेग की वेबसाइट :
http://www.indianembassy.nl/
भारतीय दूतावास, दी हेग का फेसबुक पेज :
https://www.facebook.com/pages/Embassy-of-India-The-Hague/147843231949434
इंडिया ग्लोबल – ए आई आर एफएम गोल्ड कार्यक्रम जिसमें भारत और नीदरलैंड संबंधों का वर्णन किया गया है :
http://www.youtube.com/watch?v=jKdxTqD8lKE

*****

जनवरी**, 2016**